



سahitya آڪادمي

طرفان سڏايل

ڪيرت ٻاٻاڻي، شخص ۽ ساهتيه

تي سمپوزيم جي موقعي تي توهان کي قرباڻي ڪون آهي.

آرتوار، 11 آڪٽوبر 2015

سahitya آڪادمي سپاڳار، 172 رالي گرنٽ سنگرهاليه مارگ

دادر (اوپر) ممبئي - 400014

پروگرام

مهورتي اجلاس : 10.30 کان 11.30 صبح.

سواگتي تقرير : ڪرشنا ڪمباھوني - ريجنل سيڪريٽري، ساهتيه آڪادمي، ممبئي

مهورتي تقرير : ڪلا پرڪاش - برڪ سنڌي ساهتيڪار

ڪي. نوٽ تقرير : پريم پرڪاش - ڪنوينر، سنڌي صلاحڪار بورڊ - ساهتيه آڪادمي

شڪر گذاري

چانهه

پھريون اجلاس : 11.30 کان 1.30 منجھند

صدارت : لڪشمڻ ڏبي

مقالا : موهن گيهائي - ٻاٻاڻي : جيون ۽ ساهتيه

چينو لعلواڻي - ٻاٻاڻي ۽ جون ڪھاڻيون ۽ ناٽڪ

شوپا لعلچنداڻي - ٻاٻاڻي ۽ جو سفرنامو، امن جي افق ڏانهن

پوڄن

ٻيون اجلاس : 2.30 کان 4.00 منجھند

صدارت : مينا روپچنداڻي

مقالا : لڪشمڻ ڏبي - ٻاٻاڻي ۽ جون ڪويتائون

سنڌيا ڪندناڻي - ٻاٻاڻي ۽ جي آتم ڪھا

هوندراج بلواڻي - ٻاٻاڻي ۽ جي لکڻين ۾ سنڌيت

چانهه

ٽيون اجلاس : 4.15 منجھند

صدارت : موهن گيهائي

مقالو : مينا روپچنداڻي - سنڌي آلوچنا ۾ ٻاٻاڻي ۽ جو يوگدان

سمرتيون : ڪلا پرڪاش، آرون ٻاٻاڻي، شوپا چنداڻي

سماپتي تقرير : پريم پرڪاش

شڪر گذاري



سahitya آڪادمي

د्वारा आयोजित

कीरत बाबाणी : व्यक्ति एवं साहित्य

विषयक परिसंवाद में आप सादर आमंत्रित हैं

रविवार, 11 अक्टूबर 2015

साहित्य अकादेमी सभागार, 172, मुंबई मराठी ग्रंथ संग्रहालय मार्ग,

दादर (पूर्व), मुंबई - 400 014

कार्यक्रम

उद्घाटन सत्र : पूर्वाह्न 10.30 से 11.15 बजे
 स्वागत भाषण : कृष्णा किम्बहुने क्षेत्रिय सचिव, साहित्य अकादेमी, मुंबई
 उद्घाटन वक्तव्य : कला प्रकाश सुप्रसिद्ध सिंधी साहित्यकार
 बीज भाषण : प्रेम प्रकाश संयोजक, सिंधी परामर्श मंडल, साहित्य अकादेमी
 धन्यवाद ज्ञापन
 चाय

प्रथम सत्र : पूर्वाह्न 11.30 से अपराह्न 1.30 बजे
 अध्यक्ष : लक्ष्मण दुबे
 आलेख : मोहन गेहाणी / बाबाणी : जीवन एवं साहित्य
 जेठो लालवाणी / बाबाणी की कहानियां, नाटक
 शोभा लालचंदाणी / बाबाणी का सफरनामा -
 अमन जे उफक दाहं

भोजन

द्वितीय सत्र : अपराह्न 2.30 से 4.00 बजे
 अध्यक्ष : मीना रुपचंदाणी
 आलेख : लक्ष्मण दुबे / बाबाणी की कविताएं
 संध्या कुंदनानी / बाबाणी की आत्मकथा
 हुंदराज बलवाणी / बाबाणी के लेखन में सिंधियत
 चाय

तृतीय सत्र : अपराह्न 4.15 बजे
 अध्यक्ष : मोहन गेहाणी
 आलेख : मीना रुपचंदाणी / सिंधी आलोचना में बाबाणी का योगदान
 संस्मरण : कला प्रकाश, अरुण बाबाणी, शोभा चंदाणी
 समापन वक्तव्य : प्रेम प्रकाश

धन्यवाद ज्ञापन